भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3016
09 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

डीआरडीओ द्वारा विकसित हल्का बुलेट-प्रूफ जैकेट

3016. श्री सी.एम. रमेश :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डीआरडीओ ने हमारे सशस्त्र बलों के लिए सबसे हल्का बुलेट प्रूफ जैकेट विकसित किया है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या समुचित प्राधिकारी ने उक्त जैकेट का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करने हेतु मंजूरी दे दी है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ड.) यह नया विकसित जैकेट किस प्रकार हमारी सशस्त्र सेनाओं के लिए अलग, उन्नत एवं सहायक है ?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) से (ख) जी, हां । डीआरडीओ ने लाइटेस्ट फ्रन्ट हार्ड आर्मर पैनल (एफएचएपी) युक्त बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे) विकसित की है । यह जैकट दो संरूपण अर्थात इन कंजक्शन विद (आईसीडब्ल्यू) और एफएचएपी की विभिन्न एरियल डेंसिटी की विशिष्टता के साथ विकसित की गई है ।

(ग) और (घ) बुलेट प्रूफ जैकेट डीआरडीओ परियोजना के तहत विकसित की गई है । यह प्रक्रिया प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) नीति और उत्पादन के लिए डीआरडीओ की प्रक्रिया के अनुसार भारतीय उद्योगों को विकसित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करने के लिए शुरू की गई है ।

(ड.) यह बुलेट प्रूफ जैकेट नई डिजाइन पद्धति पर आधारित है, जिसमें नई प्रक्रियाओं के साथ नवीन सामग्री का उपयोग किया गया है । यह बीपीजे बीआईएस मानक 17051 प्रमाणित है और इसलिए यह लेवल 6 सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट है जिसके मध्यम आकार का वजन लगभग 10.1 कि.ग्रा. है जो ऑपरेशन के दौरान इसकी वहनीयता को बढ़ाती है और यह सुविधाजनक होती है । इस जैकेट में अन्य संबद्ध विशिष्टताओं के साथ-साथ क्विक रिलीज मैकेनिजम (क्यूआरएम) का विशेष गुण है । यह बुलेट प्रूफ जैकेट भारतीय सैन्य बलों/सीएपीएफ के जवानों को अब तक की स्थिति के अनुसार 7.62 x 54 आर एपी/एपीआई राउंड की अधिकतम संभावित जोखिम से बचाती है ।

*****